



भारत का राजपत्र The Gazette of India

वसाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 341]
No. 341]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, जुलाई 13, 1978/आषाढ़ 22, 1900
NEW DELHI, THURSDAY, JULY 13, 1978/ASADHA 22, 1900

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 13 जुलाई, 1978

क्रा० आ० 444(अ).—प्रावश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 (1955 का 10) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और तांबा वैद्युत केबल और तारों के विनिर्माण में उपयोग का प्रतिषेध आदेश 1970 को आधिकारिक करते हुए केंद्रीय सरकार निम्नलिखित आदेश करती है, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम, विस्तार और प्रारम्भ :—इस आदेश का संक्षिप्त नाम तांबा घरेलू प्रकार के पी० वी० सी० और वी० आई० आर० तारों के विनिर्माण में उपयोग का प्रतिषेध आदेश 1978 है।

(2) इसका विस्तार सम्पूर्ण भारत पर है।

(3) यह तुरन्त प्रवृत्त होगा।

2. परिभाषाएं—इस आदेश में—

(क) “तांबा” से 1964 के विनिर्देश सं० आई० एस० 613 में विनिर्दिष्ट त्रिभुज-विश्लेषी तांबा अभिप्रेत है ;

(ख) “घरेलू प्रकार के पी० वी० सी० और वी० आई० आर० तार” से 250 और 650 वोल्ट श्रेणी के रखे कवचित केबल (आई० एस० 434 भाग-1-1964) और पी० वी० सी० कवचित केबल (आई० एस० 694-1977) और 16 एम० एम० तक के, जिसमें यह भी सम्मिलित है, नाममात्र के फ़ास-खंडीय क्षेत्र के राखालक अभिप्रेत है।

(ग) “विनिर्माता” से ऐसा व्यक्ति अभिप्रेत है, जो चाहे किसी भी प्रक्रिया द्वारा वैद्युत केबलों और तारों के विनिर्माण में लगा हुआ हो ;

3. घरेलू प्रकार के पी० वी० सी० और वी० आई० आर० तारों के विनिर्माण में तांबे के उपयोग का प्रतिषेध।

(1) केंद्रीय सरकार को पूर्ण अनुज्ञा के बिना कोई भी विनिर्माता घरेलू प्रकार के पी० वी० सी० और वी० आई० आर० तारों के विनिर्माण में तांबे का उपयोग न तो करेगा, न करवाएगा।

(2) उपखण्ड (1) की कोई भी बात—

(क) ऐसे उपक्रमों द्वारा, जिनके विनिर्धान संयंत्र और मशीनरी में दस लाख रुपये से अधिक नहीं है, घरेलू प्रकार के पी० वी० सी० और वी० आई० आर० तारों के विनिर्माण के लिए ऐसे विनिर्माण में, या

(ख) निर्यात के प्रयोजन के लिए, किसी भी ऐसे, पी० वी० सी० और वी० आई० आर० तारों के विनिर्माण में, जो पक्के आदेशों के अन्तर्गत आते हों, और जो संदाय संबंधी ऐसे निबंधनों द्वारा समर्पित हों जो तत्समय भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा अनुज्ञात हों, तांबे के उपयोग को लागू नहीं होगी।

4. प्रवेश करने और अधिग्रहण करने के लिए तलाशी लेने आदि की शक्ति।

(1) कोई भी पुलिस अधिकारी, जो सहायक उपनिरीक्षक की पंक्ति से नीचे का न हो, या इस निमित्त प्राधिकृत कोई भी अन्य अधिकारी, इस आदेश का अनुपालन सुनिश्चित करने की दृष्टि

से या इस संबंध में अपना समाधान करने की दृष्टि से कि इस आदेश के उपबंधों का पालन किया गया है —

- (क) किसी भी परिसर, किसी भी यान या जलयान में जिसकी बाबत ऐसे अधिकारी के पास विश्वास करने का ऐसा करना है कि इस आदेश के उपबंधों में से किसी का उल्लंघन किया गया है, किया जा रहा है या किया जाने वाला है प्रवेश कर सकेगा और उसकी तलाशी ले सकेगा ;
- (ख) ऐसे शर्तों का अभिग्रहण कर सकेगा जिसकी बाबत उसके पास यह विश्वास करने का कारण हो कि इस आदेश के उपबंधों में से किसी का उल्लंघन किया गया है, किया जा रहा है या किया जाने वाला है ।
- (2) तलाशी और अभिग्रहण से संबंधित दंड प्रक्रिया संहिता 1973 (1974 का 2) की धारा 100 के उपबंध यावतशक्य इस खण्ड के अधीन तलाशियों और अभिग्रहणों को लागू होंगे ।

[फा० सं० 4(4)/76-ई० आई० आई० एन० डी०]]

एस० वेणुगोपालन, निदेशक

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

ORDER

New Delhi, the 13th July, 1978

S.O. 444(E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Essential Commodities Act, 1955 (10 of 1955) and in supersession of the Copper (Prohibition of use in the manufacture of Electrical Cables and Wires) Order, 1970 the Central Government hereby makes the following order, namely :—

1. Short title, extent and commencement :

- (1) This Order may be called the Copper (Prohibition of use in the manufacture of PVC and VIR wires of domestic type) Order, 1978.
- (2) It extends to the whole of India.
- (3) It shall come into force at once.

2. Definitions.—In this Order,—

- (a) “Copper” means electrolytic copper specified in specification No. IS. 613 of 1964 ;

(b) “PVC and VIR Wires of domestic type” means Rubber Insulated Cables (IS. 434 Part-I-1964) and PVC Insulated Cables (IS. 694-1977) of 250 and 650 Volts grade and of nominal cross-sectional area of conductors upto and including 16 mm².

(c) “Manufacturer” means any person who is engaged in the manufacture of PVC and VIR wires of domestic type by any process whatsoever ;

3. Prohibition of use of copper in the manufacture of PVC and VIR wires of domestic type :

(1) No manufacturer shall use or cause to be used copper in the manufacture of PVC and VIR Wires of domestic type except with the prior permission of the Central Government.

(2) Nothing contained in sub-clause (1) shall apply to the use of copper—

(a) In the manufacture of PVC and VIR wires of domestic type by undertakings having investments not exceeding Rupees ten lakhs in plant and machinery for such manufacture ; or

(b) In the manufacture of PVC and VIR wires for the purpose of export which are covered by firm orders and backed by such payment terms as are, for the time being, allowed by the Reserve Bank of India.

4. Power to enter and search for seizure, etc.

(1) Any Police Officer, not below the rank of Assistant Sub-Inspector or any other officer of an equivalent rank authorised in this behalf, with a view to securing compliance with this Order or satisfying himself that this Order has been complied with, may with such assistance, if any, as he thinks fit—

(a) enter upon and search any premises, any vehicle or vessel in which such officer has reason to believe that any of the provisions of this Order has been, is being, or is about to be contravened ;

(b) seize copper in respect of which he has reason to believe that any of the provisions of this Order has been, is being, or is about to be contravened ;

(2) The provisions of section 100 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (2 of 1974) shall, as far as may be, apply to searches and seizures under this clause.

[File No. 4(4)/76-El. Ind.]

S. VENUGOPALAN, Director